बापू के विरुद्ध झूठी एफ.आई.आर. लिखानेवाले के खिलाफ मुकदमा दर्ज हो

साहिबसिंह चौहान, विधायक, प्रतिपक्ष के मुख्य सचेतक, दिल्ली :

पिछले लम्बे समय से बापूजी के खिलाफ षड्यंत्र चल रहा है । बापूजी को कोई साधारण मानव मानने की भूल न कर ले । वे एक ऐसे महामानव हैं जिन्होंने कभी अपनी और अपने परिवार की चिंता नहीं की । उनकी अनुभूति है : **वसुधैव कुटुम्बकम्...** सारी दुनिया मेरा परिवार है । जिनके मन में केवल यह है कि चींटी से लेकर हाथी तक हर जीव में केवल और केवल परमात्मा का वास है, जो यह देखते हैं कि प्राणिमात्र में, जीवमात्र में परमात्मा उपस्थित है, कैसे माना जा सकता है कि वे किसीके मन को भी दुखा सकते हैं ! उनके विरुद्ध दर्ज की गयी एफ.आई.आर. झूठी है ।

मैं यहाँ से, भारत की राजधानी से सरकार को भी आगाह करना चाहता हूँ कि जिस प्रकार का मनमाना कानून का नंगानाच वहाँ (गुजरात में) हो रहा है, वह तत्काल बंद होना चाहिए । साधु-संतों पर लाठी बरसाना, उनके केश खींचना, उनको दौड़ा-दौड़ाकर मारना यह केवल साधुओं का अपमान नहीं, हिन्दुस्तान के हर व्यक्ति का अपमान है ।

जो सदा आदिवासियों-गरीबों के कल्याण में रत रहते हों, जो छोटे-छोटे बच्चों को संस्कार देने के लिए हजारों बाल संस्कार केन्द्र खुलवाते हों, जिनके द्वारा माताओं-बहनों को संस्कार और मर्यादाओं की शिक्षा दी जाती हो, जिनकी प्रेरणा से अपराधियों तक के बीच में जाकर भी मानवता का संदेश दिया जाता हो उन संत श्री आसारामजी बापू के प्रति घिनौनी चालें चलना हम सबके लिए एक चुनौती है । ये चालें केवल बापूजी के प्रति नहीं हैं, इसे तमाम संतों के प्रति समझना चाहिए । हिन्दुस्तान में तो इनका जैसे रिवाज हो गया है !

मैं माँग करता हूँ कि बापू के खिलाफ दर्ज एफ.आई.आर. की जाँच सी.बी.आई. के द्वारा हो और जिसने झूठी एफ.आई.आर. लिखायी है उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज हो, उसे जेल के सीकचों के पीछे फेंका जाय । हम कानून का सम्मान करते हैं लेकिन मैं गुजरात के उस छुटभैये अखबार को भी कहना चाहता हूँ कि किसी लालच में एक भ्रमित स्थिति को पैदा करने के लिए, मन में कुछ उद्देश्य-विशेष रखकर आप जो अखबार में छाप देते हैं, वह भी कानून से ऊपर नहीं है । उसके खिलाफ भी मुकदमा दर्ज होना चाहिए, यह मेरी माँग है। कोई भी संत, कोई भी साधु ऐसे किसी अखबार के मोहताज नहीं हैं । निराधार, भड़कानेवाले, लोगों को भ्रमित करनेवाले, धार्मिक उन्माद फैलानेवाले किसी प्रकार के किसी भी समाचार को छापना कानूनी अपराध है । संतों के बारे में कहने से पहले हजार बार सोचना चाहिए ।

पूज्य आसाराम बापूजी का तो आभामण्डल ऐसा है कि हर भक्त जब याद करता है तो ये उसके मन में होते हैं । ऐसे ये साधु-संत मेरे राष्ट्र की धरोहर हैं, त्याग की प्रतिमूर्ति हैं । इनका तप, इनकी सोच मानव-कल्याण के लिए होती है ।

मुझे पता है एक छुटभैये अखबार ने कैसा घृणित समाचार छाप दिया है और मुझे यह भी जानकारी है कि स्टिंग ऑपरेशन में उसकी जो काली कलई खुली है, जो सच सामने आया है,

उस सच को भी नहीं झुठलाया जा सकता । लेकिन कई बार दुःख होता है भाइयो ! कुल्हाड़ी में जब तक लकड़ी का हाथा न हो तब तक पेड़ नहीं कटता और हमारे देश में यही होता रहा है, हम बँट के रहे हैं । देर हो जाती है साधु-संतों को पहचानने में । हम तनिक-से लालच के पीछे किसी-न-किसी कुचक्र में फँसकर उस प्रकार का कदम उठा बैठते हैं । इसमें से कुंदन होकर... नहीं-नहीं, साक्षात् कुंदन ही हैं, साक्षात् ईश्वर ही हैं आसारामजी बापू और उनके सभी भक्तजन !

गुजरात में जिस प्रकार का षड्यंत्र चल रहा है, जिस प्रकार उस छुटभैये अखबार को हथियार बनाकर आसाराम बापूजी के प्रति षड्यंत्र रचा जा रहा है, कुचक्र चलाया जा रहा है, क्या यह सब सरकार के सामने नहीं है ? उस अखबार के खिलाफ अब तक मुकदमा दर्ज करके उसे बंद कर देना चाहिए था ।

स्टिंग ऑपरेशन की सी.डी. में आश्रम के खिलाफ षड्यंत्र करनेवाले जो साजिशकर्ता बेपर्दा हुए हैं तथा जो उनसे जुड़े हैं, उनकी भी जाँच की जानी चाहिए, उनका पर्दाफाश होना चाहिए कि किस तरह से उन लोगों ने षड्यंत्र किया है ।

चौधरी मतीन अहमद, विधायक :

बापू आसारामजी के बारे में जो अफवाहें फैलायी जा रही हैं, झूठे आरोप लगाये जा रहे हैं, अगर संतों के साथ भी यह होगा तो फिर दूसरों का क्या हाल होगा ! और संत अपने लिए नहीं जीते, दूसरों के लिए जीते हैं । कुछ लोग कहते हैं कि बापू आसारामजी और दूसरे संतों ने इतने आश्रम बना लिये ! तो आश्रमों में रहता कौन है ? आश्रमों में खाता कौन है ? आश्रमों का फायदा कौन उठाता है ? बापू थोड़े ही उठाते हैं ! देश के लोग उठाते हैं, भक्त उठाते हैं, वे रहते हैं, वे खाते हैं, वे सोते हैं, वे शिक्षा लेते हैं । गौशाला अगर चल रही है तो गौशाला में कौन रहते हैं ? गौएँ रहती हैं और जो शिक्षण संस्थान चल रहे हैं उनमें कौन पढ़ता है ? बापू आसारामजी के परिवार के लोग थोड़े ही पढ़ते हैं, दूसरे लोग पढ़ते हैं । पूरे देश में उनके करोड़ों चाहनेवाले हैं, माननेवाले हैं । बापू सबको अच्छी बातें बताते हैं, अच्छा संदेश देते हैं जिससे लोगों को शांति मिलती है और उनके साथ इस तरह का अन्याय किया जाय तो मैं तो कहता हूँ उसकी जितनी भर्त्सना की जाय उतनी कम है !

हम इसका पुरजोर विरोध करते हैं और माँग करते हैं कि इस तरह के जो भी झूठे मामले बापू पर लगाये जा रहे हैं, उनको तुरंत रोका जाय और उसकी सी.बी.आई. जाँच करवायी जाय, जिससे दूध-का-दूध और पानी-का-पानी हो जाय । और इससे गलत संदेश भी जा रहा है । बापू जैसे महान तपस्वी, त्यागी संत, जिनमें करोड़ों लोगों का श्रद्धा-विश्वास है, उन पर भी इस तरह के लांछन लगेंगे, इस तरह के आरोप लगेंगे और मुकदमे दर्ज होंगे और जेल जाने की बातें होंगी तो फिर कोई भी आदमी अपने को सुरक्षित महसूस नहीं करेगा और न्याय-व्यवस्था से हमारा विश्वास उठ जायेगा ।

मैं तो केन्द्र सरकार से, गुजरात की सरकार से माँग करता हूँ कि आप अपना काम कर रहे हैं, करते रहिये, राजनीति आप कर रहे हैं करते रहिये, आप एम.एल.ए., एम.पी., मुख्यमंत्री, मंत्री बनते रहिये लेकिन जो समाज के लिए अच्छा काम कर रहे हैं, समाज के लोग उन्हें पसंद करते हैं, उन पर विश्वास रखते हैं तो उनको मुझे लगता है छेड़ने की जरूरत नहीं, बल्कि उनका आदर-सम्मान होना चाहिए ।

इस पूरे मामले में हम पूरी तरह बापूजी के साथ हैं । जहाँ भी आपको हमारी जरूरत लगे, हम आपके साथ खड़े मिलेंगे । ❐